मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 41, मुंबई, गुरुवार, 9 अप्रैल, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

सीएम उद्धव ठाकरे की...

कुर्सी पर छाया कोरोना का ग्रहण

सीएम पद बचाने के 2 विकल्प

कोरोना के चलते टला एमएलसी चुनाव

मुंबई। कोरोना वायरस का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है और भारत में महाराष्ट्र इस संक्रमण की सबसे ज्यादा चपेट में है। ऐसे में महाराष्ट्र में एक तरफ लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं, तो दूसरी ओर राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की कुर्सी पर संकट के बादल गहरा गए हैं। उद्धव महाराष्ट्र के किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं यानी न तो विधानसभा (एमएलए) और न ही विधान परिषद (एमएलसी) के सदस्य हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

महाराष्ट्र में एक तरफ लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं, तो दूसरी ओर राज्य की मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की कुर्सी पर संकट के बादल गहरा गए हैं। उद्धव महाराष्ट्र के किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं और 6 महीने का कार्यकाल 28 मई को पूरा हो रहा है। ऐसे हालात में फिलहाल चुनाव होने की संभावना भी नहीं है, जिसके चलते उनके सामने अपनी कुर्सी बचाने की मुश्किल खड़ी हो गई है।

कंटेनमेंट जोन में सड़कों पर नहीं बिकेंगी सब्जियां, लोगों के प्रवेश पर भी रोक

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

यूपी में सीलिंग का आदेश आते ही...

लॉकडाउन की उड़ी धज्जियां

दुकानों पर आपाधापी

यूपी में रात 12 बजे से 15 जिलों के हॉटस्पॉट इलाकों को सील कर दिया गया है। इन इलाकों मे किसी भी तरह के काम के लिए लोगों को बाहर निकलने की मनाही होगी

नोएडा। कोरोना महामारी के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में लॉकडाउन बढ़ाने के संकेत दिए हैं। बुधवार को सर्वदलीय बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना से लड़ाई लंबी है। इस बीच उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने भी बड़ा फैसला किया है। यूपी में रात 12 बजे से 15 जिलों के हॉटस्पॉट इलाकों को सील कर दिया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कर्फ्यू लगने की बात अफवाहः डीएम गाजियाबाद

गाजियाबाद के डीएम ने कहा कि पूरे जनपद में कर्फ्यू लगने की बात अफवाह है। इसकी कोई सत्यता नहीं है। अफवाह ना फैलाएं, जिन मोहल्लों में करोना मरीज मिले हैं, केवल उन मोहल्लों में कुछ और पाबंदियां लगाई जाएंगी। पूरे जनपद में कहीं कोई कर्फ्यू नहीं लगने जा रहा है।

लखनऊ में खरीदारों के काटे गए चालान

लखनऊ में भी योगी सरकार के फैसले के बाद अफरातफरी का मौहाल बन गया। नरहाई इलाके में सब्जी और राशन खरीदने के लिए भारी भीड़ जुट गई। इस बीच पुलिस ने लाठी पटककर दुकानदार और खरीदारों को भगाया। इस दौरान कई खरीदारों की गाड़ियों का चालान भी किया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संपादकीय

आम सहमति के साथ

बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के दोनों सदनों में सभी दलों के नेताओं के साथ जो बैठक की, उसके कई आयाम हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब देश लॉकडाउन की तीन सप्ताह की अवधि में से दो सप्ताह का समय गुजार चुका है। लेकिन इस बीच कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा उस तरह से कम नहीं हो सका, जैसी इससे उम्मीद बांधी गई थी। शुरू में यह सही रास्ते पर जाता दिख रहा था, लेकिन तबलीगी जमात का मामला सामने आने के बाद स्थिति भले ही पूरी तरह हाथ से न निकली हो, मगर इससे हालात बिगडे.तो हैं ही। सरकार के सामने इस समय सवाल यह है कि लॉकडाउन का क्या किया जाए? इसे ऐसे ही कुछ समय के लिए और जारी रहने दिया जाए या कुछ हद तक कम या खत्म किया जाए? आमतौर पर विशेषज्ञों की राय यही आ रही है कि इसे खत्म करने से हालात काफी बिगड़ सकते हैं। अंत में जो भी होगा, इन्हीं विशेषज्ञों की राय को ध्यान में रखकर किया जाएगा, पर कोई भी फैसला केंद्र सरकार के लिए आसान नहीं होगा। ऐसे कठिन समय में एक बड़ी जरूरत यह होती है कि बडे. फैसलों में राजनीतिक आम सहमति बनाई जाए। लॉकडाउन बहुत जल्दी में लागू करना पड़ा था, तब ऐसी सहमति बनानेके लिए वक्त नहीं था। उस समय बहुत तेजी से फैसले का दबाव था, जिसकी वजह से कई ऐसी चीजें छूट गईं, जिनकी वजह से सरकार की आलोचना भी हुई। लेकिन अब जब चंद रोज का समय बाकी है, तब सरकार सबकी सलाह का ध्यान रख रही है। कुछ छोटी-मोटी चीजों को छोड़ दें, तो इस संकट के समय विपक्षी दल भी पूरी तरह सरकार के फैसलों के साथ खडे. दिखाई दिए हैं। दलगत राजनीति जिसके लिए बदनाम है, वह प्रवृत्ति इन दिनों नदारद है। घर के बाहर दीया आदि जलाने की प्रधानमंत्री की अपील पर उनकी कुछ आलोचनाएं जरूर की गई थीं, पर शायद वह बहुत बड़ी बात नहीं है। इस दौरान सरकार के किसी अहम फैसले का खुला विरोध किसी विपक्षी नेता ने नहीं किया। यही वजह है कि कुछ ही दिन पहले प्रधानमंत्री ने विपक्ष के तकरीबन सभी बड़े नेताओं को फोन करके उनके सुझाव मांगे थे। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के सुझाव तो सार्वजनिक भी हुए हैं। मुमकिन है, बाकी नेताओं ने भी भेजे हों, पर उन्हें अभी सार्वजनिक न किया गया हो। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री शनिवार को फिर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ टेली कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात करेंगे और उसके बाद ही लॉकडाउन को लेकर कोई फैसला होगा। फिलहाल हमारे लिए महत्वपूर्ण यही है कि ऐसे बड़े फैसलों के लिए चौतरफा राजनीतिक आम सहमति बनाने की कोशिश काफी सक्रिय ढंग से चल रही है। किसी भी युद्ध की तरह ही महामारियों के लिए भी यह जरूरी होता है कि पूरा देश एकजुट होकर इस लड़ाई को लड़े।

कोरोना से कुछ लोगों का जीवन तो सदैव के लिए ही बदल जाएगा

युद्ध और वैश्विक महामारियां मानव मन और उसके पूरे भविष्य को गंभीर व दीर्घकालिक रूप से परिवर्तित कर देती हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पुरुषों की कमी ने स्त्रियों के विकास का रास्ता खोला और उसके बाद का विश्व फिर कभी पहले जैसा न हो सका। अमेरिकी गृह युद्ध पर लिखे गए प्रसिद्ध उपन्यास-गोन विद द विंड, की नायिका युद्ध के बाद की परिस्थितियों में बेहद सशक्त बनकर उभरी, जो कि बिना युद्ध की परिस्थितियों के कदाचित संभव नहीं था। उसी तरह वैश्विक महामारियां विश्व को एक नई दिशा में मोड़ती हैं जिसके बाद लाखों-करोड़ों लोगों का जीवन कभी भी पहले के जैसा नहीं हो पाता है। वर्तमान समय में कोरोना एक वैश्विक महामारी बन चुकी है, और निश्चित तौर पर वह भी मानव मन पर लघुकालिक एवं दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ जाएगी। कुछ लोगों का जीवन तो सदैव के लिए ही बदल जाएगा। कोरोना के प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं हैं। यह प्रभाव सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक और सबसे प्रमुख आर्थिक तक विस्तृत हो गए हैं।

कोरोना जनित कारणों ने दुनिया भर के देशों में नागरिक अधिकारों को बेहद सीमित कर दिया है। चीन व कुछ अन्य देशों में जहां नागरिक अधिकार पहले से ही सीमित थे, वहां उन्हें और प्रतिबंधित किया गया, किंतु इसका एक सकारात्मक परिणाम यह सामने आया कि वे कोरोना को नियंत्रित करने की दिशा में कामयाबी के साथ अग्रसर हैं और यह कहना गलत नहीं होगा कि जहां से इस बीमारी की उत्पत्ति हुई थी उस क्षेत्र में यह बीमारी अधिक व्यक्तिगत स्वतंत्रता वाले देश जैसे यूरोपीय देश इंग्लैंड, जर्मनी, इटली, स्पेन और अमेरिका, कनाडा आदि देश इसकी बड़ी कीमत चुका रहे हैं और अब वहां भी कठोरता से नागरिक अधिकार निलंबित किए जा रहे हैं। भारत में भी लॉकडाउन के दो-तीन दिनों बाद तक लगा

कि हम इसे नियंत्रण में रखने में सफल होंगे, किंतु देश की राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में देश भर से जुटी हजारों की भीड़ ने भारत में कोरोना की भयावहता में जाएगा। हमारी वर्तमान अर्थव्यवस्था एक सुखद एवं निश्चित भविष्य की उम्मीद पर टिकी है। जैसे ही यह भविष्य की उम्मीद संकट में आती है अर्थव्यवस्था भी संकट में आ जाती है। ऐसा लग रहा है कि एक बड़ा बुलबुला अचानक फूट गया और सब कुछ समाप्त हो गया। कोरोना ने एक ही दिन में हमें मानव मन के बारे में बहुत कुछ समझाया है। लोग एक ही दिन में अचानक राशन की दुकानों पर उमड़ पड़े, सब कुछ खरीदने की होड़ में मॉल, दुकानें खाली कर दीं और कालाबाजारी को जगह दी। यह दिखाता है कि हम अंदर से कितने असुरक्षित और आत्मकेंद्रित हैं।

किसी भी तरह से मैं और मेरा परिवार जिंदा रहे, सुख से रहे, परोपकार के लिए सोशल मीडिया है ही, यही भावना हमारे व्यवहारों में दिखाई दी। यह तय है कि एक सीमा के बाद व्यक्ति परिवार की भी बलि चढ़ा कर स्वयं को बचाएगा। इटली के उदाहरण ने यही सिद्ध किया है। इटली में अस्पतालों में भीड़ हो जाने के बाद जब अस्पतालों ने और मरीजों को लेने से इन्कार कर दिया तो उन मरीजों को अपने परिवारों में भी रहने को जगह नहीं दी गई एवं उन्हें सड़कों पर या बाहर कहीं भी मरने के लिए छोड़ दिया गया। कोरोना लोगों को नजदीक भी लाया है। इसने जीवन की अनिश्चितता को एक ही बार में समझा दिया है। सारी योजनाएं स्थगित हो गई हैं और अचानक से समझ प्रकृति का संदेश समझे मनुष्य, प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के बजाय संतुलित विकास ज्यादा जरूरी प्रकृति का संदेश समझे मनुष्य, प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के बजाय संतुलित विकास ज्यादा जरूरी आपस में बात नहीं कर रहे थे वे कोरोना की वजह से एक-दूसरे के नजदीक आ गए हैं और आपस में सहयोग कर रहे हैं।

एक लड़की ने प्रेम विवाह किया था। तीन साल बाद उसके पिता ने उसे फोन किया, हालचाल जाना और लॉकडाउन के बाद घर आने का आमंत्रण दिया। इस बीच एक बड़ी समस्या यह सामने आई है कि पिछले करीब दो सप्ताह से भी अधिक समय से 24 घंटे घर के भीतर ही रहने से कई परिवार के सदस्यों में तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ गया है। निरंतर बढ़ता हुआ यह तनाव कई घरों में गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। कई लोगों के प्रेम संबंध प्रभावित होंगे तो कुछ लोगों के नए प्रेम संबंध भी बनेंगे। इस तरह कोरोना हमारी सामाजिक व्यवस्था को भी बदल रहा है। बहुत सारे लोगों का व्यक्तित्व इसके बाद हमेशा के लिए बदल जाएगा, क्योंकि कोरोना ने अचानक सबकी दौड़ को रोक दिया है और सब कुछ ठहर सा गया है। कहते हैं कि हमने बेहतर जीवन व्यतीत किया या नहीं यह जानने का सबसे बेहतर तरीका है कि हम यह सोचें कि यदि हम आज मरने वाले हैं तो हमें अफसोस होगा अथवा नहीं।यदि हम मरने के बारे में घबराकर सोचते हैं एवं अफसोस के साथ सोचते हैं तो यह तय है कि हमने बेहतर जीवन नहीं व्यतीत किया।

स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देने का समय

कोविड-19 ने पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था को अव्यवस्थित कर दिया है। वर्ष 2008-09 की विश्वव्यापी आर्थिक मंदी के बाद वर्ष 2020 में पुनः अप्रत्याशित असाधारण आर्थिक मंदी की स्थिति आ गई है। तब दुनिया की वित्त व्यवस्था चरमरा गई थी, आज पूरी अर्थव्यवस्था और मानव जाति का स्वास्थ्य एवं जीवन संकट में है। कलकारखाने, बाजार बंद हैं। आवागमन रुक गया है। पर्यटन, आयात-निर्यात, आंतरिकविदेशी व्यापार सब कुछ ठप हो गया है। लॉकडाउन के कारण जीवन ठहर गया है। वर्ष 2008 में मंदी अमेरिका से शुरू हुई थी। वर्ष 2020 का संकट विश्व को चीन की देन है। दुनिया का कोई भी देश बचा नहीं है, जहां कोरोना वायरस पहुंचा नहीं है। विकसित देश इससे सर्वाधिक प्रभावित हैं। भारत में समय रहते कदम उठा लिया

गया जिससे क्षति अपेक्षाकृत कम हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार इससे निपटने के लिए विश्व की जीडीपी का दस प्रतिशत तक खर्च करना होगा। जी 20 के सदस्य देशों ने पांच खरब डॉलर की निधि गठित करने का निश्चय किया है। कोरोना जनित कारणों से देश की जीडीपी नीचे जा रही है। अभी यह पांच प्रतिशत के आसपास है। विभिन्न रेटिंग एजेंसियों का वित्त वर्ष 2020-21 के लिए अलग-अलग अनुमान है। जहां एशियन डेवलपमेंट बैंक के अनुसार यह चार प्रतिशत तक जा सकता है, वहीं एसीपी ग्लोबल रेटिंग 3.5 प्रतिशत, चार्टर्ड बैंक 2.7 प्रतिशत तक का अनुमान दे रही हैं। ये अनुमान भी इस आधार पर हैं कि अगली तिमाही से कोरोना का असर कम हो जाएगा और अर्थव्यवस्था पटरी पर आने लगेगी। शेयर बाजार की हालत भी पस्त है। शेयरधारकों को लाखों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसमें कब और कितना सुधार होगा इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। कारखानों के उत्पादन में भारी गिरावट आई है। आवश्यक वस्तुएं बनाने वाले कारखाने जो कुल विनिर्माण का करीब एक-तिहाई हिस्सा हैं, उसके अलावा कारखानों में या तो पूरा लॉकडाउन है या आंशिक रूप से उत्पादन हो रहा है। ऑटो उद्योग रोजगार का बड़ा साधन है, वह पूरी तरह से ठप है। यातायात सेवाएं बंद हैं। रेलें केवल आवश्यक वस्तुएं ढो रही हैं। घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद हैं। मेट्रो स्टेशनों पर ताला लगा है, कुछ सरकारी बसों को छोड़कर बस सेवाएं बंद हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, गुरुवार
9 अप्रैल, 2020

कंटेनमेंट जोन में सड़कों पर नहीं बिकेंगी सब्जियां, लोगों के प्रवेश पर भी रोक

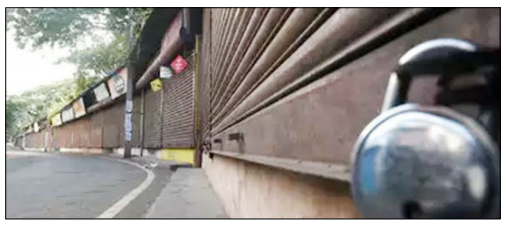

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में कंटेनमेंट जोन में सड़कों पर सब्जियों के बिक्री पर रोक लगा दी गई है। यहां के नागरिक अब अपने परिसर में बाहर भी नहीं निकल सकते हैं। साथ ही, कंटेनमेंट जोन में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है, ताकि कोरोना वायरस के संक्रमण को अन्य इलाके में फैसले से रोका जाए। बीएमसी ने जिस इलाके में कोरोना संक्रमित मरीज पाए गए हैं, उसे कंटेनमेंट जोन घोषित किया है। शहर में अब तक बीएमसी ने 241 कंटेनमेंट जोन घोषित किए गए हैं। जिस बस्ती अथवा इलाके को कंटेनमेंट घोषित किया गया है, वहां के निवासियों को बस्ती अथवा इमारत से बाहर निकलने पर रोक है। इनके लिए आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति के लिए प्रतिदिन सुबह इलाके में सब्जियों बेचने की अनुमति है, जिससे लोग दोनों समय भोजन के लिए सब्जियां खरीद सकें, लेकिन बीएमसी ने पाया कि इस सुविधा का सही उपयोग नहीं हो रहा है। बुधवार को बीएमसी कमिश्नर प्रवीण परदेशी ने वीडियो कांफ्रेसिंग के दौरान सभी क्षेत्रों का जायजा लिया और कंटेनमेंट जोन में सड़कों पर सब्जी बेचने पर रोक लगाने का निर्देश दिए।

मुंबई में सुबह की सैर करने वाले 12 लोग गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। नवी मुंबई के पनवेल इलाके में 12 लोगों को बंद के दिशानिर्देश का उल्लंघन करके सुबह की सैर पर जाने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार किया गया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजय कुमार लांडगे ने कहा, हमने ठाणे नाका समेत विभिन्न स्थानों से सुबह की सैर करने वाले 12 लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि इन लोगों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत सरकारी आदेश का उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया गया। बाद में इन लोगों को जमानत पर छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा, आज से बिग बाजार, रिलायंस मार्ट, फल, सब्जी, मछली, मटन दुकान, रेस्त्रां वाली सेवाएं (सिर्फ खाद्य पदार्थ लेकर जाने की सेवा) शाम पांच बजे तक खुली रहेंगी जबकि दवा और कृषि उत्पाद बाजार समितियां पहले की तरह ही काम करेंगी। उन्होंने कहा कि लोगों को बंद का कड़ाई से पालन करते हुए घरों में ही रहने की सलाह दी गई है। इसके बाद भी कोई बाहर घूमता पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

कोविड-19 मरीज की मौत के बाद मुंबई के एक अस्पताल के चिकित्साकर्मियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में महा नगरपालिका के एक अस्पताल में नर्सों और पैरामेडिक्स कर्मचारियों समेत चिकित्सा कर्मियों ने अस्पताल में कोविड-19 के मरीज की मौत के बाद उन्हें पृथक किए जाने की मांग को लेकर बुधवार को प्रदर्शन किया। कर्मचारी संघ के एक पदाधिकारी ने बताया कि उपनगर बांद्रा में के. बी. भाभा म्युनिसिपल जनरल अस्पताल के कर्मचारी अस्पताल के बाहर एकत्रित हो गए और उन्होंने प्रदर्शन किया। कोविड-19 संक्रमण के कारण वहां एक महिला की मौत हो जाने के बाद उन्होंने प्रदर्शन किया।अस्पताल के कर्मचारी मांग कर रहे हैं कि उन्हें पृथक किया जाए क्योंकि अस्पताल में कोविड-19 फैलने का गंभीर खतरा है। गौरतलब है कि

कुछ चिकित्साकर्मियों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद मुंबई में दो निजी अस्पतालों को सील कर दिया गया है। कर्मचारी संघ के एक नेता ने बताया कि कर्मचारी मांग कर रहे हैं कि स्टाफ को पृथक किया जाए क्योंकि उनमें से कुछ महिला के सीधे संपर्क में आए थे। नेता ने बताया कि अस्पताल में करीब 450 कर्मचारी काम करते हैं। इनमें नर्स, वार्ड ब्वॉय, सफाई कर्मचारी और अन्य पैरामेडिक्स कर्मी हैं। उन्होंने बताया, महिला के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद भी अस्पताल प्रबंधन ने हमें अंधेरे में रखा। अस्पताल के कर्मचारियों के अनुसार, महिला को कुछ दिनों तक महिलाओं के जनरल वार्ड में रखा गया तथा हालत बिगड़ने पर दूसरे वार्ड में ले जाया गया। कुछ स्टाफ सदस्यों ने उन्हें दिए गए निजी सुरक्षा उपकरण (पीपीई) की 'खराब गुणवत्ता' का भी मुद्दा उठाया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

उद्धव ठाकरे की कुर्सी पर छाया कोरोना का ग्रहण

अब कोरोना के खतरों की वजह से महाराष्ट्र में एमलसी का होना वाला चुनाव टाल दिया गया है, जिसके चलते उद्धव के सामने सीएम पद को बचाए रखने की मुश्किल खड़ी हो गई है। दरअसल उद्धव ठाकरे ने 28 नवंबर, 2019 को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। संविधान की धारा 164 (4) के अनुसार उद्धव ठाकरे को 6 माह में राज्य के किसी सदन का सदस्य होना अनिवार्य है। ऐसे में उद्धव ठाकरे को अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी को बचाए रखने के लिए 28 मई से पहले विधानमंडल का सदस्य बनना जरूरी है। उद्धव ठाकरे विधानसभा का सदस्य बनने के लिए उनकी पार्टी के किसी विधायक को अपने पद से त्यागपत्र देना होगा। इसके बाद फिर चुनाव आयोग को 29 मई से 45 दिन पहले उपचुनाव की घोषणा करनी होगी। महाराष्ट्र में शिवसेना के विधायकों की संख्या का जो आंकड़ा है, ऐसे में वो अपने किसी विधायक का इस्तीफा नहीं दिलाना चाहेंगे। दूसरा जरिया विधान परिषद की सदस्यता प्राप्त करने का है। इसके लिए चुनाव आयोग को सिर्फ 15 दिन पहले अधिसूचना जारी करनी होगी। महाराष्ट्र के विधान परिषद के 9 सदस्यों का कार्यकाल 24 अप्रैल को खत्म हो रहा है। इन 9 विधान परिषद सीटों पर चुनाव होने थे, जिन्हें कोरोना संकट की वजह से टाल दिया गया है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने इसे अनिश्चित समय के लिए आगे बढ़ाने का फैसला किया है। माना जा रहा था कि विधान परिषद की 9 सीटों में से किसी एक सीट पर उद्धव ठाकरे चुनाव लड़ सकते हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने कोरोना संकट के चलते चुनाव को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया है। इसके चलते अब उनकी राह में मुश्किल खड़ी हो गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लिए उद्धव ठाकरे के सामने अब दो विकल्प बचते हैं। इनमें पहला विकल्प राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के ऊपर निर्भर करेगा। महाराष्ट्र में राज्यपाल द्वारा मनोनीत होने वाली विधान परिषद की दो सीटें फिलहाल रिक्त हैं। इनमें से एक सीट पर राज्य सरकार उद्धव ठाकरे के नाम को नामित करने के लिए राज्यपाल के पास सिफारिश कर सकती है। सरकार द्वारा भेजे गए नाम पर राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी सहमत हो जाते हैं तो उद्धव ठाकरे अपनी सीएम की कुर्सी बचाए रखने में सफल हो सकते हैं। मुख्यमंत्री पद बरकरार रखने के लिए उद्धव के सामने दूसरा उपाय दिखाई दे रहा है कि वह अपने पिछले शपथ ग्रहण से छह माह की अवधि पूर्ण होने से पहले ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें। इसके बाद उन्हें दोबारा से सीएम पद की शपथ लेनी होगी, जिससे उन्हें विधानमंडल की सदस्यता ग्रहण करने के लिए 6 महीने का और समय मिल जाएगा। हालांकि, इसमें एक पेच ये है कि सीएम इस्तीफा देते हैं तो उससे पूरे मंत्रिमंडल का इस्तीफा माना जाता है ऐसे में सीएम पद की दोबारा शपथ के बाद मंत्रिमंडल को भी शपथ दिलानी होगी। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस का संकट जिस तरह से छाया हुआ है। ऐसे में फिर से पूरे मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण कराना राज्य के लिए मुश्किल होगा। इस वक्त महाराष्ट्र कोरोना वायरस के खतरे से जूझ रहा है। देखना ये होगा कि सीएम उद्धव ठाकरे इन दोनों में से किस विकल्प को चुनते हैं या राज्य की राजनीति क्या रुख लेती है।

यूपी में सीलिंग का आदेश आते ही उड़ी लॉकडाउन...

इन इलाकों में किसी भी तरह के काम के लिए लोगों को बाहर निकलने की मनाही होगी। बेहद जरूरी चीजों की आपूर्ति के लिए भी सिर्फ होम डिलीवरी होगी। बता दें कि नोएडा में 12 हॉटस्पॉट चिन्हित किए गए हैं। योगी सरकार के इस फैसले के बाद नोएडा में लोग लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाते दिखे। लोग जरूरी सामान की खरीदारी के लिए बाजारों में आ गए। इस दौरान रिटेल स्टोर के साथ मर्चेंट शॉप पर भीड़ जुट गई और सामानों की खरीदारी के लिए आपाधापी होने लगी। इस बीच गौतमबुद्ध नगर के डीएम ने जनता से अपील करते हुए कहा कि इसे लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं है। जिले में सभी स्थानों पर आवश्यक सामनों और सेवाओं की होम डिलीवरी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि चिन्हित हॉटस्पॉट को सील कर दिया जाएगा और इस दौरान अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

गरीबों के रहनुमा बने रहमान खान

सैकड़ो जरूरतमंद गरीब परिवार को निरंतर खाद्य पदार्थ कर रहे वितरीत

चीनी कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते देश भर में केंद्र सरकार की ओर से लोक डाउन किया गया है। जिससे दिहाड़ी मजदूरों को खाने के लाले पड़ गए है। ऐसे गरीब जरूरतमंदों की मदद करने के लिए कांदिवली पूर्व गोकुल नगर में कांग्रेस के समर्पित नेता रहमान खान आगे आये है और उन्होंने लगभग सैकड़ो परिवारों को खाद्य पदार्थ निरंतर वितरण कर संकट के समय में मानवता की एक मिसाल कायम की है। खाद्य पदार्थो में दाल, चावल, शक्कर, आलू, मटर, चायपत्ती आदि जरूरत के सामान शामिल है।इस अवसर पर कांग्रेस नेता रहमान खान के साथ, पत्रकार जितेंद्र शर्मा,सुहैल खान,अनिता पाण्डेय,पूजा चौबे विशेष तौर पर उपस्थित रहे।

शिवसेना नगरसेवक राजू पेडणेकर के प्रयत्नों से मिल्लत हॉस्पिटल के डायलिसिस केंद्र शुरू

संवाददाता

मुंबई-जोगेश्वरी पश्चिम स्तिथ मिल्लत हॉस्पिटल में पिछले दो तीन दिनों से कोरोना पॉजिटिव के मरीजों के इलाज के लिए पूरा मेडिकल स्टाफ परेशान था, कारण डायलिसिस की प्रक्रिया के उपकरण सम्पूर्ण रूप से बंद थे। शिवसेना के पार्षद राजू पेडणेकर ने इसे गंभीरता से लेकर, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, पालकमंत्री आदित्य ठाकरे, परिवहन मंत्री एडवोकेट अनिल परब, व मुंबई के महापौर किशोरी पेडणेकर से निरन्तर संपर्क किया। साथ ही महानगरपालिका के प्रशासकीय अधिकारी आयुक्त प्रवीण परदेशी, अतिरिक्त आयुक्त (आरोग्य विभाग) सुरेश काकाणी, उपायुक्त रमेश पवार, कार्यकारी आरोग्य अधिकारी श्रीमती केसकर, के पश्चिम जोन के उपायुक्त श्री ढाकने, सहायक आयुक्त के पश्चिम विश्वास मोटे, वैद्यकीय अधिकारी श्रीमती गुलनार खान, इन सभी के सहयोग से दो दिन में ही डियलिसिस केंद्र की शरूआत संभव हुआ। राजू पेडणेकर ने सबका आभार व्यक्त किया है।

बढ़ सकती है कनिका कपूर की मुश्किलें, पुलिस करेगी पूछताछ

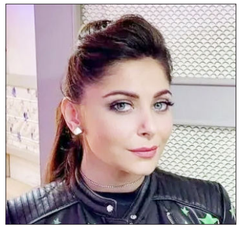

देशभर में कोरोना वायरस का कहर जारी है। कोरोना वायरस से निपटने के लिए सरकार लगातार कदम उठा रही है। बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई थीं। हालांकि अब वो ठीक होकर घर लौट गई हैं। कनिका कपूर ने कोरोना से तो जंग जीत ली है, लेकिन अभी उनकी मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद कनिका कपूर अभी 14 दिनों के होम क्वारनटीन में हैं। सिंगर का यह पीरियड खत्म होने के बाद लखनऊ पुलिस उनसे पूछताछ करने की योजना बना रही है। कनिका कपूर पर वायरस फैलाने के आरोप में आईपीसी की धारा 269-270 के तहत केस दर्ज किया गया था। बता दें कनिका कपूर में कोरोना के लक्षण पाए जाने के बाद उन्हें पीजीआई लखनऊ में भर्ती कराया गया था। वहां आइसोलेशन ट्रीटमेंट और क्वारनटीन पीरियड के बाद उन्हें छुट्टी मिल गई थी। कनिका कपूर ने खुद इंस्टाग्राम पर कोरोना वायरस के लक्षण होने की जानकारी दी थी। इसके बाद कनिका कपूर ने ये पोस्ट डिलीट कर दी थी। कनिका ने कहा था, 'मेरी एयरपोर्ट पर सामान्य प्रक्रिया से 10 दिन पहले जांच हुई थी जब मैं घर पर आई तो चार दिन पहले ही मुझे लक्षण महसूस हुए।' अब कनिका ने कहा, 'मैं पूरी तरह ठीक हूं।' बता दें कनिका कपूर पर बीते दिनों लापरवाही के कई गंभीर आरोप लगे थे। इंग्लैंड से भारत लौटने के बाद कनिका कपूर ने कई पार्टीज में शिरकत की थी। कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक, कनिका कपूर के खिलाफ कोई साक्ष्य पुलिस के पास मौजूद नहीं है। कनिका से मिलने वाले लोग भी कोरोना से संक्रमित नहीं हुए हैं। पुलिस अंतिम रिपोर्ट दर्ज करने के लिए घटनाक्रम की जांच कर सकती है।

सेवा, संस्कार, समर्पण की मिशाल कायम कर रहे सरनाईक

मीरा-भायंदर शहर शिवसेना संपर्क प्रमुख विधायक प्रताप सरनाईक जनसेवा के प्रति पूरी तरह से समर्पित रहते है। ओवला माजिवडा विधानसभा क्षेत्र से रिकार्ड मतों से विजयश्री प्राप्त करने के बाद सरनाईक ठाणे और मीरा भयंदर शहर को परिवार की तरह समझकर कार्य करना प्रारम्भ किया है। बेहद सहज, सरल, सौम्य प्रताप सरनाईक शिवसेना के ही नहीं बाकी अन्य दल के नेताओं से माधुर्य सम्बन्ध है। संस्कार और साहित्य के पोषक प्रताप सरनाईक जिस प्रकार कोरोना वायरस के संक्रमण के समय मानव सेवा, समेत शहर के लोगों के भोजन साहित्य आदि का प्रबंधन किया वह काबिले तारीफ रहा है। 5000 लोगों को नियमित भोजन कराने के साथ सस्ती दर पर सरनाईक परिवार लोगों को ताजी सब्जियां उपलब्ध कराने का कार्य कर रहा है। ३ बार से विधायक और ४ बार पार्षद रहे सरनाईक के पास सदन और संगठन का बड़ा अनुभव प्राप्त है।

अच्छे भवन निर्माता, होटल व्यवसाय के साथ फिल्म जगत में भी सरनाईक के नाम का बोलबाला है। शिवसेना पक्षप्रमुख मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ पालक मंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना को गति देने का कार्य प्रताप सरनाईक बड़ी सहजता के साथ कर रहे है। गरीब, पिछड़े समाज के बड़े भाई की भूमिका में सतत प्रयत्नशील रहने वाले सरनाईक को मीरा भयंदर शहर का अभिभावक समझा जा रहा है। प्रताप सरनाईक के सभी सामाजिक, राजकीय समेत सांस्कृतिक कार्यों में उनकी पत्नी ठाणे मनपा की पार्षद परिषा सरनाईक, बड़े पुत्र युवासेना के सचिव ठाणे मनपा के पार्षद पूर्वेश सरनाईक करते है। सरनाईक का पूरा परिवार समर्पण, सेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है। मीरा भयंदर, ठाणे ही नहीं आस पास के उप नगरो में भी सरनाईक के मानने वालो का एक बड़ा वर्ग है।

विधायक ही नहीं अभिभावक भी है सरनाईक

मीरा-भायंदर शिवसेना संपर्क प्रमुख प्रताप सरनाईक विधायक ही नहीं हजारों लोगों के अभिभावक भी है। सरल, सहज, कर्मठ सरनाईक सदैव जनसेवा के प्रेरणा पुंज की भांति अपने आपको स्थापित किया है। वैश्विक आपदा कोरोना के संकट के समय लोगों की भोजन और सस्ती सब्जियां उपलब्ध कराते हुये प्रताप सरनाईक जन सेवा के व्रत को आगे बढ़ाया है। कोल्हापुर के मजरेवाडी गांव जो पूरी तरह से नष्ट हो गया था उसको स्थापित करने का कार्य भी विधायक प्रताप सरनाईक के द्वारा किया गया। राजकीय जीवन में बहुत सारे कार्य प्रताप सरनाईक और उनके परिवार के द्वारा सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में प्रायः किया जाता है। मीरा-भायंदर और ठाणे के साथ प्रताप सरनाईक सदैव न्याय देने का कार्य करते है। आज उनका पूरा परिवार लोगों की भोजन, औषधि के साथ आवश्यक वस्तुये लोगों को पहुंचाने में तत्पर दिख रहा है। बिना भेदभाव की प्रताप सरनाईक की सेवा और समर्पण की भावना उनके पिता ज्येष्ठ साहित्यक स्व.बाबूराव सरनाईक से प्राप्त हुई है। प्रताप सरनाईक के सभी रचनात्मक कार्यों में उनकी पत्नी ठाणे मनपा की पार्षद परिषा सरनाईक, बड़े पुत्र मुंबई क्रिकेट एशोशिएसन के सदस्य विहंग सरनाईक समेत ठाणे मनपा के पार्षद युवा सेना सचिव पूर्वेश सरनाईक सहयोग करते है। प्रताप सरनाईक के ठाणे और मीरा भाईन्दर शहर में मानने वालो का बड़ा वर्ग है। सभी समाज को पूरा न्याय और सम्मान देना प्रताप सरनाईक की प्राथमिकता रही है। महाराष्ट्र राज्य के ऊर्जावान मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व पालक मंत्री एकनाथ शिंदे के कुशल मार्गदर्शन व सांसद राजन विचारे, विधान परिषद सदस्य रविन्द्र फाटक के संयोजन में जनसेवा का कार्य को प्रताप सरनाईक गति दे रहे है। 5000 लोगों को नियमित भोजन उपलब्ध कराने को पूरी तरह तत्पर प्रताप सरनाईक मीरा भाईन्दर के गरीब मजदूर लोगों के अभिभावक की तरह दिख रहे है। सरनाईक का स्वभाव बेहद सौम्य है जिससे लोग उन्हें अत्यधिक पसंद करते है। मीरा भयंदर की जनता सरनाईक को शहर का अभिभावक समझ रही है।

लॉकडाउन बढ़ाने पर संशय बरकरार

महाराष्ट्र सरकार ने कहा- वक्त आने पर लेंगे फैसला

महाराष्ट्र में कोरोना मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है और होने वाली मौतों की संख्या में भी उसी गति से इजाफा हो रहा है। वायरस मरीजों की संख्या और मरने वालों की संख्या में महाराष्ट्र देश में पहले नंबर पर है। ऐसे में राज्य में जारी लॉकडाउन को लेकर कई तरह की शंका जाहिर की गई। मंगलवार को मंत्री परिषद की बैठक में यह कहा गया कि 14 अप्रैल के बाद लॉकडाउन बढ़ाने या फिर खत्म करने के बाबत वक्त आने पर निर्णय लिया जाएगा। मंत्री परिषद की बैठक विडियो कॉन्फ्रेंसिंग माध्यम से हुई। बैठक में प्रत्येक जिले में कोरोना वायरस की जांच सुविधा और चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने, अनाज की आपूर्ति, लॉक डाउन और कम्युनिटी किचन के संबंध में लंबी चर्चा हुई। बैठक में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए लागू की गई विविध उपाय योजना, अधिसूचना व आदेश को मंजूरी दी गई। बैठक में 13 मार्च 2020 को अधिसूचना के जरिए लागू महामारी नियंत्रण कानून 1897, 13 मार्च को मुख्य सचिव अजोय मेहता की अध्यक्षता में बनाई गई उच्च स्तरीय समिति, 14 मार्च को जारी महाराष्ट्र कोविड-19 उपाय योजना नियम 2020 अधिसूचना को मंजूरी दी गई।

सब्जी मंडी के बाबत स्थानीय स्तर पर निर्णय: बैठक के दौरान मंत्रियों ने अपने-अपने सुझाव दिए। सब्जी मंडी में हो रही भीड़ पर कई मंत्रियों ने नाराजगी की। इस पर कहा गया सब्जी मंडी में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया जा रहा है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सब्जी मंडी के खुला रखने या बंद करने का निर्णय स्थानीय स्तर पर लेने का अधिकार दिया गया है। यानी बीएमसी वॉर्ड और पुलिस निर्णय लेंगी। बैठक में मुख्यमंत्री ठाकरे ने बताया कि राज्य भर में 5.50 लाख मजदूरों और स्थालांतरित व्यक्तियों को प्रतिदिन भोजन की व्यवस्था की गई है। कोरोना वायरस की जांच के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जहां भी कोरोना वायरस मरीजों की जांच की जरूरत है, वहां पर प्राथमिकता देकर काम किया जा रहा रहा है। होमगार्ड के इस्तेमाल के संबंध में जिलाधिकारियों को अधिकार दिए गए हैं।

सबसे ज्यादा महाराष्ट्र पर असर: कोरोना वायरस की सबसे ज्यादा मार महाराष्ट्र पर पड़ रही है। देशभर में यहां मरीजों की संख्या और मरने वालों की संख्या सबसे ज्यादा है। मुंबई के झोपड़पट्टी बहुत क्षेत्रों में भी कोरोना वायरस के मरीज पाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र कि 11 करोड़ 19 लाख 66 हजार 637 जनसंख्या है। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के 868 मरीज पांए गए हैं। इसमें से 52 मरीजों की मौत हुई है। मरने वाले इन मरीजों में 11 ऐसे मरीज भी है, जिनमें दूसरी किसी बीमारी का लक्षण नहीं था। कोरोना से मरने वाली मृत्यु दर देश में सबसे अधिक यानी 5.99 महाराष्ट्र का है। मुंबई में सबसे अधिक 525 मरीज हैं, जबकि यहां 34 मरीजों की मौत हुई है। इसमें से 868 कोरोना वायरस के मरीज हैं। राज्य में प्रति 10 हजार जनसंख्या पर 0.077 मरीज हैं। राज्य में 3 लाख 2 हजार 795 एन-95 मास्क, 41 हजार 400 पीपीई किट, 10 हजार 317 आइसोलेशन बेड, 2 हजार 666 आईसीयू बेड और 1 हजार 317 वेंटिलेटर उपलब्ध हैं। इस पर राज्य के मुख्यमंत्री ठाकरे का का दावा है कि कोरोना से लड़ी जा रही इस लड़ाई में किसी तरह के उपकरण या सामान की कमी नहीं होने देंगे। उन्होंने अपील की है कि लोग घरों में रहकर इस लड़ाई में सहभागी बने।

पीएम नरेंद्र मोदी बोले...

खुराफात लगती है मेरे सम्मान में 5 मिनट खड़े होने की मुहिम

संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कुछ उत्साही समर्थकों को फटकार लगाई है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा है कि उनके ध्यान में लाया गया है कि कुछ लोग यह मुहिम चला रहे हैं कि 5 मिनट खड़े रहकर मोदी को सम्मानित किया जाए। पहली नजर में तो यह मोदी को विवादों में घसीटने की कोई खुराफात लगती है। पीएम मोदी ने कहा कि हो सकता है कि यह किसी की सदिच्छा हो, तो भी मेरा आग्रह है कि यदि सचमुच में आपके मन में इतना प्यार है और मोदी को सम्मानित ही करना है तो एक गरीब परिवार की जिम्मेदारी कम से कम तब तक उठाइए, जब तक कोरोना वायरस का संकट है। मेरे लिए इससे बड़ा सम्मान कोई हो ही नहीं सकता। मेरे ध्यान में लाया गया है कि कुछ लोग यह मुहिम चला रहे हैं कि 5 मिनट खड़े रहकर मोदी को सम्मानित किया जाए। पहली नजर में तो यह मोदी को विवादों में घसीटने की कोई खुराफात लगती है। बता दें कि सोशल मीडिया पर कुछ लोग मुहिम चला रहे हैं कि आने वाले रविवार यानी कि 12 अप्रैल को 5 मिनट के लिए खड़ा होकर पीएम मोदी को सम्मानित किया जाए। इस बाबत लोग ट्विटर-फेसबुक पर मैसेज शेयर कर रहे हैं। हालांकि पीएम की अपील के बाद ऐसे कई मैसेज को डिलीट कर दिया गया है। पीएम मोदी ने इस मुहिम को गलत करार दिया है और कहा है कि अगर कोई मुझे सम्मान देना ही चाहता है तो जब तक कोरोना वायरस का संकट है तबतक एक गरीब परिवार की जिम्मेदारी लें, उनके लिए इससे बड़ी सम्मान की बात नहीं होगी। पीएम मोदी ने कहा कि 5 मिनट तक खड़े होने की मुहिम गलत है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र की अपील पर देशवासियों ने 22 मार्च को जनता कर्फ्यू का पालन किया था। इसके बाद पीएम मोदी ने 25 मार्च से 14 अप्रैल तक लॉकडाउन की घोषणा की है। 5 अप्रैल को रात 9 बजे पीएम मोदी ने 9 मिनट के लिए लोगों से दीया जलाने की अपील की थी। लोगों ने बड़े उत्साह के साथ इसका पालन किया था।

लॉकडाउन में नहीं मिल रही थी पीने के लिए शराब, लूट ली पूरी दुकान

कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने लिए पूरे देश में इन दिनों लॉकडाउन जारी है। इसी वजह से नशे की लत रखने वाले लोग खासतौर पर परेशान हैं। उन्हें लॉकडाउन की वजह से शराब नहीं मिल पा रही है। ऐसे में असम के शिवसागर में कुछ अज्ञात उपद्रवियों ने एक शराब की दुकान में तोडफोड़ की और लाखों रुपये की शराब की बोतलें चुरा लीं। खबर के मुताबिक, यह घटना शिवसागर नगर इलाके में घटी। लॉकडाउन की स्थिति का फायदा उठाकर बदमाशों ने शिवसागर कस्बे के स्टेशन चारली इलाके में शराब की दुकान को लूट लिया। शराब की दुकान के मालिक शैलधर बरुआ ने घटना को लेकर कहा, दुकान में चोरी के बाद पता चला कि कुछ लोग इलाके में शराब की बोतलें बेच रहे थे और कथित तौर पर वो शराब मेरे ही दुकान से चोरी की गई थी। उन्होंने कहा, जब मैंने अपनी शराब की दुकान का दौरा किया, तो पाया कि बदमाशों ने शराब की दुकान में तोड़-फोड़ की और शराब की बोतलें लूट लीं।

लाइफ में एक बार जरूर जाएं अमृतधारा, नहीं करेगा वापस लौटने का मन

भारत की अमृतधारा के बारे में तो हर कोई जानता ही होगा लेकिन क्या आप जानते है जिंदगी में एक बार यहां जरूर जाना चाहिए। वैसे भी गर्मियों के मौसम घूमने के लिए यह जगह एक-दम परफेक्ट है। छत्तीसगढ़ में मौजूद इस खूबसूरत झरने को देखने से ऐसा लगता है मानों कोई प्राकृतिक चमत्कार हो रहा हो। इस झरने को देखने और यहां स्नान करने के बाद आपका मन वापस आने को नहीं करेगा।

अमृतधारा झरना छत्तीसगढ़ के आकर्षण का केंद्र होने के साथ-साथ अपने खूबसूरत नजारों और शांति के लिए भी मशहूर है। इसके किनारे बैठकर आपको प्रकृति के करीब होने का अहसास होगा। छत्तीसगढ़ को जंगलों की भूमि भी कहा जाता है। क्योंकि इसके चारों तरफ पहाड़ियां और जंगल ही दिखाई देते हैं।

जंगलों, चट्टानी पठारों और घुमावदार पहाड़ियों से होकर जब आप अमृतधारा तक पहुंचते है तो अपनी सारी परेशानी भूल जाते हैं। भारत का यह सबसे बड़ा झड़ना कोरिया जिले में हस्देओ नदी पर स्थित है। 90 फीट की ऊंचाई से गिरने वाला यह झरना सबसे बड़े झरनों में से एक है।

झरने में स्नान करने के साथ-साथ आप यहां के प्राचीन मंदिर में भी जा सकते हैं। इस मंदिर के कारण इस झरने में स्नान करना बहुत शुभ माना जाता है। अमृतधारा झरना टूरिस्ट्स के बीच में पिकनिक स्पॉट के लिए फेमस है।

अमृतधारा झरने की इतनी खासियत बताने के बाद अब आपको बताते हैं कि आप यहां कैसे और कब पहुंच सकती हैं। अप्रैल से अक्टूबर के महीने में घूमने के लिए यह बिल्कुल सही जगह है। आप अपनी फैमिली या फ्रेंड के साथ यहां लॉग वीकेंड के लिए आ सकते हैं।

मुंबई हलचल राशिफल
-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष: शोक समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर टलेंगे। विवाद से क्लेश होगा। तनाव रहेगा।

वृष: वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रसन्नता रहेगी। थोड़े प्रयास से ही कार्य बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

मिथुन: शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। विवाद से बचें।

कर्क: परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह: अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों से अपेक्षा न करें।

कन्या: डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश लाभ देगा। व्यस्तता रहेगी।

तुला: आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। धनार्जन होगा।

वृश्चिक: पुराना रोग उभर सकता है। तंत्र-मंत्र में झुकाव रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

धनु: वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

मकर: घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद से क्लेश होगा। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ होगा।

कुंभ: शत्रु परास्त होंगे। राजकीय सहयोग मिलेगा। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता मिलेगी।

मीन: वाणी पर नियंत्रण रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। वस्तुएं संभालकर रखें।

आइलैंड के किनारे बसे हैं ये 6 शहर, खूबसूरती देखने बार-बार आते हैं लोग

दुनियाभर में कई आइलैंड हैं जो अपनी खूबसूरती के कारण काफी फेमस हैं। आप भी अपनी फैमिली के साथ नेचुरल खूबसूरती से भरपूर आइलैंड पर घूमना पसंद करते हैं लेकिन आज हम आपको आइलैंड के किनारे बसा शहरों के बारे में बताने जा रहे हैं। अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर आइलैंड के किनारे बसे इन शहरों को एक बार देखने के बाद लोग यहां बार-बार आना चाहते हैं। तो चलिए जानते है आइलैंड के किनारे बसे इन खूबसूरत देशों के बारे में, जहां आप भी घूम सकते हैं।

1. मालदीव, माले

मालदीव की राजधानी माले सबसे धनी आबादी वाला शहर हैं, जोकि एक छोटे से द्वीप के किनारे बसा हुआ है। बोट में बैठकर चारों तरफ पानी से घिरे इस शहर की सैर करने का मजा ही कुछ ओर है।

2. जर्मनी, लिंडिआओ

जर्मनी का यह एतिहासिक शहर ऑस्ट्रिया, जर्मनी और स्विट्जरलैंड की सीमा एक द्वीप पर स्थित है। लेक कॉन्सटांस में स्थित द्वीप पर बसे इस शहर में सिर्फ 3 हजार लोग रहते हैं। एक पुल के जरिए आप इस शहर की खूबसूरती को देखने के लिए जा सकते हैं।

3. न्यूयॉर्क, मैनहैटन

न्यूयॉर्क के मैनहैटन शहर और इसकी बड़ी-बड़ी इमारतों के बारे में तो हर कोई जानता है। हडसन नदी के किनारे बसे इस शहर में 16 हजार लोग रहते हैं। घूमने के लिए तो यहां टूरिस्ट की भीड़ लगी रहती है।

5. सिंगापुर

टूरिज्म के लिए सबसे ज्यादा मशहूर यह शहर भी दक्षिण-पूर्व एशिया में निकोबार द्वीप के किनारे बना हुआ है। सिगांपुर में घूमने के लिए संग्रहालय, जूरोंग बर्ड पार्क, रेप्टाइल पार्क, जूलॉजिकल गार्डन, साइंस सेंटर सेंटोसा द्वीप, हिन्दू, चीनी व बौद्ध मंदिर और म्यूजियम है।

6. इटली, वेनिस

चारों और पानी से घिरा वेनिस की खूबसूरती देखकर आपका मन यहां से जाने को नहीं करेगा। यहां का रैगाटा खेल पर्यटकों के आकर्षण का सबसे मुख्य केंद्र है। सुकून से ओर नेचुरल खूबसूरती के साथ छुट्टियां बिताने के लिए यह शहर बिल्कुल परफेक्ट है।

और इस राजा ने बदल दिया देश का नाम

स्वाजीलैंड अफ्रीका का एक राजशाही मानने वाला देश है, नहीं अब आप उसे था भी कह सकते हैं। इसके राजा का नाम मस्वाती है। ये देश अफ्रीका की अंतिम साम्राज्यवादी प्रणाली वाला देश भी कहलाता है। बीते बुधवार को राजा मस्वाती तृतीय ने अपने देश स्वाजीलैंड का नाम बदलकर द किंगडम ऑफ इस्वातिनी रखने की एलान कर दिया। राजा ने ये घोषणा देश की आजादी के 50 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान की। इस्वातिनी का अर्थ होता है 'स्वाजियों की भूमि'। इस दिन राजा की 50वीं सालगिरह के रूप में भी मनाया गया था। हालांकि राजा मस्वाती बीते कुछ सालों से स्वाजीलैंड को इस्वातिनी कहते आ रहे थे, लेकिन इसके बावजूद खुद उनके देशवासियों के लिए

भी ये बदलाव खासा अप्रत्याशित था।

पहले भी किया था इस नाम का प्रयोग

राजा मस्वाती स्वाजीलैंड को नया नाम देना चाहते हैं इस इरादे की भनक दुनिया भर को काफी पहले से थी। उनका इरादा साल 2017 में संयुक्त राष्ट्र को संबोधित करते हुए, और उससे भी पहले साल 2014 में स्वाजीलैंड की संसद के उद्घाटन के वक्त भी सामने आया था जब उन्होंने अपने देश के लिए इस्वातिनी नाम का इस्तेमाल किया था। नाम बदलने के पीछे राजा का तर्क था कि लोग उनके देश के पूर्व नाम को स्वीटजरलैंड के नाम से जोड़ कर भ्रमित हो जाते हैं। इसके बावजूद वो आधिकारिक रूप से ऐसा करने की घोषणा करेंगे इस बारे में लोगों अंदाजा नहीं था। एक अनुमान के अनुसार राजा के इस फैसले वहां के कुछ नागरिक खुश नहीं है। उनका कहना नाम बदलने की जगह राजा को देश की सुस्त अर्थव्यवस्था को सुधारने में ध्यान लगाना चाहिए। इसके बावजूद एलान हो चुका है और राजा की बात माननी ही होती है।

तीन पीढ़ियों से शासन और अनोखे अंदाज

मस्वाती अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी हैं इस्वातिनी पर राज कर रही है। उनके दादा और पिता उनके पहले सिंहासन पर बैठ चुके हैं। मस्वाती, सोभूजा द्वितीय के बेटे है और उनकी 15 बीवियां हैं। उनकी आधिकारिक आत्मकथा के अनुसार इनके पिता ने भी कई शादियां की थीं। 82 साल तक गद्दी पर बैठने वाले सोभूजा द्वितीय के नाम से प्रसिद्ध उनके पिता की 125 पतनियां थीं। तभी से 'शेर' के नाम से प्रसिद्ध इस देश के राजाओं को कई पतनियां रखने और देश की पारंपरिक पोशाक पहनने के लिए ही जाना जाने लगा है। कई बार यहां के शासनाध्यक्षों की ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट्स के द्वारा निंदा की जा चुकी है और उन पर राजनीतिज्ञ दलों पर प्रतिबंध लगाने और महिला अधिकारों के हनन के आरोप लगते रहे हैं।

एक बहरे और आंशिक अंधत्व के शिकार कुत्ते ने बचायी तीन साल बच्ची की जान

पिछले दिनों परिवार के साथ कैंपिंग करने आई एक तीन साल की मासूम बच्ची के साथ एक बड़ा हादसा होते होते रह गया क्योंकि परिवार के साथ गए एक कुत्ते ने अपनी स्वामीभक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। ये बच्ची रास्ता भटक जाने के कारण पूरी एक रात अपने परिवार से अलग खुले आसमान के नीचे सोती रही पर उसे कोई दिक्कत नहीं हुई क्योंकि उसकी हिफाजत करने के लिए ये मैक्स नाम का ब्लू हीलर प्रजाति का कुत्ता उसके साथ ही रहा। मामला ऑस्ट्रेलिया में क्वींसलैंड का जहां वारविक नाम की जगह पर एक परिवार कैंपिंग के लिए आया था। परिवार के साथ अरोरा नाम की एक तीन साल की बच्ची भी थी। करीब तीन बजे सब ने देखा की बच्ची गायब है। इसके बाद उसकी तलाश शुरू हुई। ये तलाश पूरी रात चली और सुबह साढ़े सात बजे के करीब उन्हें परिवार का बहरा और आंशिक रूप से अंधा कुत्ता मैक्स एक पहाड़ी के ऊपर ले गया। कैंपिंग स्थल से करीब 2 किलोमीटर दूर बच्ची सोयी हुई थी। परिवार के लोगों ने बताया की 15 डिग्री के ठंडे तापमान में बच्ची के साथ ये कुत्ता रात भर रहा।

पुलिस और बच्ची के परिवार वालों ने बताया की कुत्ते ने किस तरह से अपना दायित्व निभाया इसका अंदाजा इसी बात से हो जाता है कि बच्ची रात भर खुले आसमान के नीचे थी परंतु ना तो इंड की शिकार हुई और नाही उसे कोई गंभीर चोट लगी। उसके शरीर पर कुछ खरोंचों के अलावा कोई और चोट नहीं है। कुत्ते मैक्स को अब पुलिस के ऑनरेरी डॉग स्क्वॉयड में शामिल कर लिया गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शिशु की कोमल त्वचा का इन 5 तरीकों से रखें ख्याल

छोटे बच्चों की त्वचा बहुत कोमल होती है, इसलिए उसकी देखभाल में विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। बच्चे की त्वचा को स्वस्थ रखने का मतलब केवल चेहरे की त्वचा से नहीं बल्कि पूरे शरीर की त्वचा से है। आपकी हल्की सी असावधानी से बच्चे की त्वचा में इंफेक्शन हो सकता है। बहुत नाजुक होती है बच्चों की त्वचा। जरा सी नादानी से बच्चों को काफी परेशानी हो सकती है। ऐसे में आपको चाहिए अपने छोटे से बच्चे की त्वचा का पूरा खयाल रखें। उसके नहाने के साबुन से लेकर, उसे पहनाये जाने वाले कपड़ों तक। उसके लोशन और पाउडर से लेकर मालिश के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले तेल तक। सब चुनते और इस्तेमाल करते समय आपको खास सावधानी बरतनी चाहिए।

बच्चों को नहलाते वक्त ऐसे साबुन का प्रयोग न करें जो हार्ड हों, ऐसे कॉस्मेटिक क्रीम का प्रयोग भी न करें जिससे बच्चे की त्वचा में इंफेक्शन हो। सूखे मौसम में नहाने से पहले तेल मालिश करने से उनकी

बच्चे की त्वचा नर्म और साफ रहती है। चिकित्सक की सलाह पर बच्चे की त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए हल्का मॉइश्चराइजर का प्रयोग कर सकती हैं। इसके अलावा बच्चे की त्वचा को रैशेज और इंफेक्शन से भी बचायें।

नहलाते वक्त ध्यान रखें

जन्म के 10 दिन बाद बच्चे को हल्के गरम पानी से नहला सकते हैं। जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता जाता है वह फर्श पर चलने की प्रैक्टिश करता है ऐसे में उसकी त्वचा गंदी हो जाती है और ऐसे में त्वचा का संक्रमण फैलने की संभावना भी रहती है। इसलिए बच्चे को नहलायें, नहलाने से पहले शरीर की बेबी ऑयल से जरुर मालिश करें। त्वचा को हमेशा नमी देती रहें क्योंकि साबुन की वजह से बच्चे की त्वचा रूखी हो सकती है।

साबुन के प्रयोग के वक्त सावधानी

बच्चों को साबुन लगाने से परहेज करें, क्योंकि इसके कारण बच्चे की त्वचा पर संक्रमण हो सकता है। हालांकि, कुछ बच्चों की त्वचा स्ट्रॉग हो सकती है लेकिन अधिकांशतः बच्चों की त्वचा बहुत ही नाजुक और संवेदनशील होती है। ऐसे में साबुन में मौजूद डिटर्जेंट उसकी त्वचा में खुजली और संक्रमण पैदा कर सकते हैं। इसलिए बच्चे को नहलाते वक्त माइल्ड सोप का ही इस्तेमाल करें।

त्वचा को रखें सूखी

बच्चे की त्वचा को सूखी रखने की कोशिश करें, नहीं तो उसे डायपर रैशेज हो सकते हैं। डायपर्स बदलते समय त्वचा को अच्छी तरह से सुखाने के बाद ही दूसरा डायपर बच्चे को पहनायें। अगर जल्दबाजी में आप ऐसा करना भूल जाती हैं तो त्वचा में रह गई नमी से उसे बच्चे को रैशेज हो सकते हैं जो संक्रमण का कारण बनते हैं।

स्क्रैच से बचायें

बच्चे की त्वचा को सुरक्षा की जरूरत होती है। बच्चे हाथों के नाखूनों से खुद को स्क्रैच लगा सकते हैं। इससे बचाव के लिए उसके हाथों को बेबी ग्लव्ज से पहनाकर रखें। इससे आपका बेबी अंगूठे और अंगुलियों को मुंह में भी नहीं लेगा। इससे बच्चे को अगूठे चबाने की आदत भी नहीं पड़ेगी।

मालिश के वक्त

बच्चों को मालिश बहुत जरूरी है, बच्चों की मालिश कीजिए। लेकिन मालिश के वक्त तेल का चयन करते वक्त ध्यान रखें। बहुत ज्यादा सुगंधित तेलों का इस्तेमाल न करें, क्योंकि कुछ सुगंधों से त्वचा में एलर्जी या खुजली हो सकती है। 1 साल तक के बच्चों को सरसों के तेल से मालिश न करें।

उबटन लगायें

कुछ बच्चों के शरीर पर घने बाल होते हैं, लेकिन आमतौर पर समय के साथ बाल कम होते जाते हैं। यह तो स्पष्ट है कि बाल हटाने के तरीके बच्चों पर नहीं आजमाए जा सकते, लेकिन बेसन और दूध का उबटन शरीर पर रगड़ने से बालों की बढ़त थम सकती है। इसके अलावा इस उबटन के प्रयोग से बच्चे की त्वचा में भी निखार आता है। बच्चे की त्वचा बहुत नाजुक होती है इसलिए उसपर किसी भी तरह का प्रयोग न करे, यदि त्वचा में किसी भी प्रकार का संक्रमण दिखे तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

सनग्लासेज खरीदते वक्त इस चीज का रखें ख्याल, नहीं तो हो सकता है अंधापन!

गर्मियों के मौसम में सनग्लासेज जहां फैशन के लिहाज से जरूरी है वहीं ये आंखों की भी इफाजत करते हैं। धूप के चश्मे यानी सनग्लासेज गर्मियों के लिए एक आवश्यक एक्सेसरी होते हैं। लेकिन आजकल इन्हें एक फैशन सिंबल समझा जाता है। सनग्लासेज सूरज की किरणों से निकलने वाली खतरनाक अल्ट्रावायलेट किरणों से होने वाली मोतियाबिंद की बीमारी की रोकथाम में भी काफी हद तक सहायक होते हैं। चिकित्सकों का मानना है कि अल्ट्रा वायलेट किरणें और सूरज की तेज रोशनी मोतियाबिंद का मुख्य कारण है, जिसकी रोकथाम धूप के चश्मे के नियमित उपयोग से की जा सकती है। लेकिन साधारण धूप के चश्मे का प्रयोग आंखों के लिए हानिकारक भी हो सकता है।

गॉगल्स की बढती मांग को देखते हुए आज बाजार में तमाम तरह के डिजाइनर सनग्लासेज उपलब्ध हैं, जो कि चीन निर्मित हैं। ब्रैंडेड सनग्लासेज के मुकाबले इन चश्मों की कीमत खासी कम होती है। ये लोकल शॉप्स और विक्रेताओं के पास आसानी से मिल जाते हैं।

करीब 70 प्रतिशत भारतीय या यूं कहें कि दस में से सात लोग लोकल या चीन में निर्मित चश्मे प्रयोग करते हैं। हालांकि ये सनग्लासेज

की तरह ही दिखाई देते हैं, लेकिन यह सूर्य की यूवी किरणों से किसी तरह की सुरक्षा प्रदान नहीं करते। बल्कि ये चश्मे आंखों को खतरनाक अल्ट्रावायलेट रोशनी के संपर्क में ले आते हैं। इससे समय बीतने के साथ मोतियाबिंद, लेंस का धुंधला होना और मैक्यूलन डीजेनरेशन जैसी समस्याएं पैदा हो जाती हैं, जो कि वृद्धावस्था में आंखों की रोशनी खोने के मुख्य कारण हैं।

आंखों की प्यूपिल को होता है नुकसान

तेज रोशनी में आंखों की प्यूपिल सिकुड़ जाती हैं और कम प्रकाश में यह फैल जाती हैं। ऐसे में जब आप धूप के चश्मे पहनती हैं तो आंखों की पुतलियां फैल जाती हैं। बिना पर्याप्त यूवी सुरक्षा के खतरनाक यूवी किरणें आंखों में सीधे प्रवेश करती हैं और नुकसान पहुंचाती हैं। यह जानना जरूरी है कि यूवी प्रोटेक्शन के लिए लेंस की एक उपयुक्त मोटाई होना बहुत जरूरी है। जबकि नकली चश्मे बेहद पतले होते हैं। सस्ते नकली चश्मों में विकृत लेंस भी हो सकते हैं, जिससे देखने की क्षमता में समस्या उत्पन्न हो सकती हैं और दृष्टि में व्यवधान उत्पन्न होने के कारण सिर दर्द भी होने लगता है।

इन घरेलू नुस्खों में छिपा है शरीर के हर दर्द का इलाज

दर्द का घरेलू उपचार : काम करते हुए हम लोग इनते व्यस्त हो जाते है कि अपनी सेहत पर ध्यान देना ही भूल जाते है। फिर बाद में शरीर के अलग-अलग अंगों के दर्द को लेकर बैठे रहते हैं। शरीर के हर हिस्से में दर्द की वजह हमारा बदल रहा रहन-सहन और खान-पान की गलत आदतें भी हो सकती हैं। ऐसे में लोग कई तरह की पेन किलर का इस्तेमाल करते हैं लेकिन इनका अधिक सेवन करने लत भी लग जाती है। अगर आप भी अक्सर शरीर के अलग-अलग अंगों के दर्द से परेशान रहते है तो आज हम आपको कुछ घरेलू नुस्खे बताएंगे, जो हर दर्द के राहत दिलाने में कारगर साबित होंगे।

1. कमर दर्द

कमर दर्द की शिकायत मर्दों की तुलना में महिलाओं को अधिक रहती है। सुबह सरसों या नारियल के तेल में लहसुन की 3-4 कलियां डालकर गर्म कर लें। ठंडा होने पर इस तेल से कमर की मालिश करें।

2. सिर दर्द

सिर दर्द किसी भी वजह से हो सकता है। ऐसे में दवाइयों से बचने की कोशिश करें और घरेलू नुस्खा ट्राई करें। अदरक के रस में नींबू का रस मिलाकर दिन में 1-2 बार पीएं। इससे सिर दर्द दूर रहेगा।

3. हड्डियों का दर्द

जोड़ो का दर्द केवल बड़ी ही नहीं कम उम्र के लोगों में भी खूब देखने को मिलता है। अगर आप भी अक्सर जोड़ो के दर्द से परेशान रहते है तो लहसुन की 10 कलियों को 100 ग्राम पानी और 100 ग्राम दूध में मिलाकर पकाए। इस काढ़े को पीने से जोड़ों का दर्द दूर रहेगा।

4. गर्दन दर्द

लगातार गर्दन को एक ही पॉजिशन में रखने से दर्द की शिकायत रहती है। ऐसे में गर्दन को घूमाना तक मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सरसों के तेल में लौंग का तेल मिलाकर गर्दन की मालिश करें।

5. एड़ियो का दर्द

लंबे समय तक पैरों के भार खड़े रहने से एड़ियो में दर्द होने लगता है। एड़ियो का दर्द दूर करने के लिए गर्म पानी में सेंधा नमक मिलाकर उसमें पैरों को 15-20 मिनट तक डुबोए। फिर अपनी एड़ियो की तेल के साथ मसाज करें।

6. पेट दर्द

पेट दर्द की शिकायत अक्सर लोगों को रहती है। ऐसे में खाना-पीना तक मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी पेट दर्द से परेशान है तो अदरक के 1 छोटे टुकड़े को मुंह में रखकर उसका रस चूसे। इससे पेट दर्द तुरंत ठीक हो जाएगा।

रिंकल्स हो या पिंपल्स, इस 1 चीज से करें हर परेशानी को दूर

गर्मी के मौसम में चेहरे पर ट्रैनिंग, पिंपल्स, रिंकल्स या ऑयली स्किन जैसी प्रॉब्लम देखने को मिलती है। इन्हें दूर करने के लिए लड़कियां न जानें क्या-क्या इस्तेमाल करती है लेकिन सिर्फ सैलिसिलिक एसिड वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल आपकी इन सभी प्रॉब्लम को दूर कर सकता है। नेचुरल तरीके से बने इस तरह के प्रोडक्ट्स किसी भी स्किन टाइप के लिए हार्मफुल नहीं होते।

इन प्रोडक्ट्स को बनाने के लिए विलो ट्री का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी छाल का पाउडर बनाकर ऑक्सीडेंट के साथ ट्रीट किया जाता है और फिर इसे फिल्टर करके सैलिसिलिक एसिड बनाया जाता है।

किसी भी प्रोडक्ट को खरीदने से पहले उसमें सैलिसिलिक एसिड की मात्रा को चेक करें। इससे स्किन में हल्की सी चुभन होती है लेकिन इससे आपको डरने की जरूरत नहीं। जिस प्रोडक्ट में इसकी क्वांटिटी 0.5 से 2 प्रतिशत के बीच हो, वह आपकी स्किन के लिए बिल्कुल परफेक्ट होगा।

1. पिंपल्स के लिए
2. रिंकल्स से पाएं राहत
3. ऑयली स्किन
4. डेड स्किन

स्किन में कैरेटिन के कारण डेड सेल्स जमा हो जाते हैं। ऐसे में इस एसिड से बने फेसवॉश का इस्तेमाल स्किन सेल्स को सॉफ्ट और डिजॉल्व करके निकालने में मदद करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुश्किल वक्त में हनुमान चालीसा पढ़ती हैं कंगना

बॉलिवुड की 'क्वीन' कंगना रनौत केवल अपनी फिल्मों ही नहीं बल्कि अपने बेबाक बयानों के लिए भी जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर कंगना की तस्वीरें और वीडियो मेसेज उनकी बहन रंगोली चंदेल शेयर करती हैं। हाल में रंगोली ने फैन्स को सोशल मीडिया पर फैन्स को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं दी हैं। इसी बीच उन्होंने कंगना से जुड़ी एक दिलचस्प बात का भी खुलासा किया है। रंगोली ने ट्विटर पर बताया, बहुत से लोगों को नहीं पता होगा कि श्री हनुमान जी भगवान शिव के 12वें अवतार थे। कंगना कहती हैं कि उनके बहुत कठिन समय जबकि उन्हें बहुत काम करना पड़ता है, वह हनुमान चालीसा पढ़ती हैं। ऐसा करने के लिए कंगना से किसी ने कहा नहीं है बल्कि उन्हें ऐसा करने की खुद से इच्छा होती है। आप सभी को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं। बता दें कि बॉलिवुड में लॉकडाउन के कारण कंगना रनौत इस समय अपनी फैमिली के साथ मनाली में वक्त बिता रही हैं। पिछले दिनों उन्होंने अपना बर्थडे भी मनाली स्थिति अपने नए घर में ही मनाया था। हाल में कंगना ने कोरोना वायरस से लड़ने के लिए पीएम केयर्स फंड में 25 लाख रुपये की डोनेशन भी दी थी। इसके अलावा उन्होंने बॉलिवुड में दिहाड़ी मजदूरी करने वालों के लिए अनाज और अन्य जरूरी वस्तुओं का इंतजाम भी किया था।

दिहाड़ी मजदूरों की मदद को आगे आए आमिर खान

पीएम-केयर्स फंड में भी किया डोनेट

लॉकडाउन के बीच मुंबई में तमाम सितारे डेली वेज वर्कर्स की मदद को आगे हाथ बढ़ा रहे हैं। ऐसे में सुपरस्टार आमिर खान भी अपनी आने वाली फिल्म के लिए काम कर रहे डेली वेज वर्कर्स की मदद के लिए आगे आए हैं। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री केयर्स फंड और महाराष्ट्र सीएम रिलीफ फंड में भी डोनेशन दिया है। हालांकि उन्होंने कितनी राशि की डोनेट की है, इसके बारे में खुलासा नहीं हुआ है। सूत्र बताते हैं, आमिर खान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पीएम केयर्स फंड, महाराष्ट्र चीफ मिनिस्टर रिलीफ फंड, फिल्म वर्कर्स असोसिएशन और कुछ एनजीओ को अपनी ओर से मदद दी है। इसके अलावा आमिर ने अपनी अगली फिल्म के दिहाड़ी मजदूरों की भी मदद की है। हालांकि आमिर इस बात का खुलासा नहीं करना चाहते हैं कि उन्होंने कितनी दान में दी है।

दीपिका पादुकोण की 'फट-फट' की आदत से रणवीर सिंह परेशान

दीपिका पादुकोण और उनके पति रणवीर सिंह इन दिनों घर पर हैं। कोरोना वायरस की वजह से हुए लॉकडाउन के दौरान साथ में बढ़िया समय बिता रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान दीपिका ने बताया कि वह खाली नहीं बैठ सकतीं। रणवीर को इस बात से दिक्कत होती है। वह फैमिली वॉट्सऐप ग्रुप पर भी इसकी शिकायत करते हैं। दीपिका और रणवीर आइसोलेशन में हैं। इस वक्त घर पर डोमेस्टिक हेल्प नहीं आ रहे तो सभी घर का काम खुद कर रहे हैं। ऐसे में सफाई करते वक्त दीपिका की पीठ में खिंचाव आ गया। इसके बाद भी वह आराम करने के लिए नहीं बैठीं। वह बताती हैं कि उनकी मां को भी यही शिकायत थी और अब रणवीर करते हैं। वह उनसे कहते हैं कि क्या वह एक जगह नहीं बैठ सकतीं? क्या हर समय कुछ करते रहना बंद नहीं कर सकतीं। दीपिका बताती हैं कि उन्हें नहीं पता पर वह हर वक्त कुछ न कुछ करती रहती हैं। दीपिका बताती हैं कि जब सफाई करते वक्त पीठ में दर्द हो गया था तो वह बोर हो रही थीं। जिम जाने से पहले रणवीर ने बोला कि अपनी जगह से हिलना भी मत। वह 20 मिनट बाद अचानक से आ गए तो देखा कि दीपिका सफाई में लगी थीं। रणवीर ने गुस्से में उनसे कहा कि क्या वह हर समय यह 'फट-फट' बंद नहीं कर सकतीं। उन्होंने फैमिली वॉट्सऐप ग्रुप में भी दीपिका की इस हरकत की शिकायत की।